भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4779
दिनांक 28 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

मथुरापुर में जन औषधि केंद्र

4779. श्री बापी हलदर:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में प्रधान मंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के अंतर्गत स्थापित, कार्यरत और बंद जन औषधि केंद्रों (जेएके) की संख्या, मथुरापुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित राज्यवार कितनी है;
(ख) क्या यह सच है कि कम बिक्री और राजस्व की हानि के कारण कई जेएके बंद हो गए हैं;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक कार्रवाई की गई है;
(घ) क्या जेएके के किसी आपूर्तिकर्ता को गुणवत्ता संबंधी मुद्दों के कारण प्रतिबंधित किया गया है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा पैनल में शामिल कुल आपूर्तिकर्ताओं की संख्या कितनी है और ऐसे मुद्दों के कारण कितनों को प्रतिबंधित किया गया है?

उत्तर
रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत, पूर्व में खोले गए 2,256 जन औषधि केंद्र (जेएके) दिनांक 28.2.2025 तक पूरे देश में बंद कर दिए गए हैं। उक्त तिथि की स्थिति के अनुसार, बंद किए गए उक्त जेएके को छोड़कर, पूरे देश में कुल 15,057 जेएके खोले गए हैं। पश्चिम बंगाल के मथुरापुर संसदीय क्षेत्र में कोई भी जेएके बंद नहीं किया गया है तथा कुल पांच जेएके खोले गए हैं। देश भर में बंद किए गए जेएके की राज्य-वार एवं संघ राज्य

क्षेत्र-वार संख्या तथा उक्त तिथि तक खोले गए जेएके की संख्या (बंद किए गए जेएके को छोड़कर) अनुलग्नक में दी गई है।

(ख) और (ग): जी, नहीं। पिछले 10 वर्षों में, जन औषधि केन्द्रों की संख्या में 200 गुना वृद्धि हुई है जो वर्ष 2014 में केवल 80 थी और अब बढ़कर 15,057 केंद्र हो गई है जो देश के लगभग सभी जिलों को कवर करती है। सरकार ने जेएके खोलने के लिए फ्रेंचाइजी जैसे मॉडल को अपनाया है। फ्रेंचाइजी मॉडल होने के कारण स्थानीय स्तर पर इसकी उपलब्धता मांग और आपूर्ति के आधार पर निर्धारित होती है। कम बिक्री और राजस्व होने की स्थिति में केन्द्र को जारी रखना या नहीं रखना उद्यमी का निर्णय है। योजना की कार्यान्वयन एजेंसी, भारतीय औषध एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई) के राज्य स्तरीय विपणन अधिकारी, बिक्री को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से उन जेएके के साथ संपर्क स्थापित करते हैं जिनकी बिक्री कम है। पीएमबीआई जेएके का हाथ थामता है और कार्यशालाओं का आयोजन करता है, सफल जेएके मालिकों से सीख लेता है और कम अच्छा कार्यनिष्पादन करने वाले जेएके के लिए स्थानीय क्षेत्र के डॉक्टरों के साथ बैठकें करता है।

(घ) और (ङ): प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसी भारतीय औषध एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो द्वारा उपलब्ध कराए गए इनपुट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों के दौरान, मेसर्स एएनजी लाइफसाइंस इंडिया लिमिटेड और मेसर्स रिडले लाइफ साइंस प्राइवेट लिमिटेड को खरीद आदेशों के विरुद्ध आपूर्ति न करने और गुणवत्ता मानकों का पालन न करने के कारण काली सूची में डाल दिया गया था।

आज की स्थिति के अनुसार, दवाओं, सर्जिकल उपकरणों, न्यूट्रास्युटिकल्स और आयुर्वेदिक उत्पादों की आपूर्ति के लिए 206 औषध विनिर्माता पीएमबीजेपी से जुड़े हुए हैं।

अनुलग्नक

मथुरापुर में जन औषधि केन्द्र के संबंध में श्री बापी हलदर द्वारा पूछे जाने वाले दिनांक 28.03.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4779 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

दिनांक 28.2.2025 तक देश भर में बंद किए गए जन औषधि केन्द्रों (जेएके) की संख्या और उक्त तिथि तक खोले गए जेएके की संख्या (बंद किए गए जेएके को छोड़कर)

क्र.सं.	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	बंद किए गए जेएके	खोले गए जेएके की संख्या (बंद किए गए जेएके को छोड़कर)
1	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	1	9
2	आंध्र प्रदेश	126	275
3	अरुणाचल प्रदेश	3	34
4	असम	40	171
5	बिहार	51	812
6	चंडीगढ़	3	11
7	छत्तीसगढ	117	278
8	दिल्ली	35	492
9	गोवा	0	15
10	गुजरात	307	760
11	हरियाणा	96	408
12	हिमाचल प्रदेश	36	71
13	जम्मू और कश्मीर	23	318
14	झारखंड	15	148
15	कर्नाटक	170	1,425
16	केरल	136	1,528
17	लद्दाख	1	2
18	लक्षद्वीप	0	1
19	मध्य प्रदेश	73	545
20	महाराष्ट्र	180	708
21	मणिपुर	10	54
22	मेघालय	0	25
23	मिजोरम	15	15
24	नागालैंड	1	22
25	ओडिशा	49	682
26	पुदुचेरी	0	33
27	पंजाब	47	489

28	राजस्थान	91	486
29	सिक्किम	1	11
30	तमिलनाडु	185	1,363
31	तेलंगाना	49	199
32	दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव	6	39
33	त्रिपुरा	4	28
34	उत्तर प्रदेश	310	2,657
35	उत्तराखंड	35	313
36	पश्चिम बंगाल	40	630
कुल			**15,057**

****